

# शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

## लोकविकास केंद्र,

### सर्टि कोर्स इन ड्रेस डिझाईन विथ फॅशन कोऑर्डिनेशन

#### उद्देश –

1. स्त्रियांचे सर्व फॅशनचे कपडे शिवता येणे.
2. पुरुषांसाठी नेहरू शर्ट , शॉर्ट व पायजमा शिवता येणे.
3. हॅन्ड व मशिमल एम्ब्रॉयडरीचे कौशल्य मिळणे.

#### शिक्षणाद्वारे उत्पन्न होणा—या व्यावसायिक संधी –

स्वतःचे टेलरिंग दुकान काढता येईल.

रेडिमेड गारमेंट्सच्या दुकानात कपडे शिवण्याचे काम मिळेल.

प्रशिक्षण कालावधी – 1 वर्ष – सहा महिने – रोज 4 तास , अठवड्यात 4 दिवस

अपेक्षित विद्यार्थी संख्या – किमान 10 कमाल 25

विद्यार्थी प्रवेश पात्रता – 10 वी पास

शिकविण्याचे माध्यम – मराठी

प्रशिक्षण शुल्क रु 5000/—, मूल्यमापन शुल्क 250/—

#### प्रशिक्षणासाठी आवश्यक जागा व साहित्य –

1. प्रशस्त क्लासरूम, फळा, खुर्च्या , टेबल्स व स्वच्छतागृहाची सोय असणे आवश्यक.
2. शिवण मशिनस – 05
3. डाफ्टींग टेबल – 02
4. शिवणकामाचे सर्व साहित्य— कात्री टेप व आधुनिक कौशल्यासाठी साहित्य , दोरे व लेस.
5. कॉम्प्युटर्स विथ मल्टीमेडिया – 2 ( फोटोशॉप, फॅशमल, कोरल ड्रॉ व पेजमेकर आवश्यक )

#### प्रशिक्षक पात्रता—

प्रशिक्षक— फॅशन डिझाईन पदवी अगर पदविका पूर्ण अगर सरकारमान्य टेलरिंग डिप्लोमा व शिवण कामाचा दहा वर्षांचा अनुभव अगर होमसायन्स पदवी पूर्ण .

सहाय्यक प्रशिक्षक— लोकविकास केंद्र अगर प्रौढ निरंतर शिक्षण विभाग यांचा ड्रेस डिझाईन अभ्यासक्रम पूर्ण व किमान दोन वर्षांचा अनुभव.

| अभ्यासक्रम                                                     |         |         |     |
|----------------------------------------------------------------|---------|---------|-----|
| आठवड्यातील 2 दिवस प्रत्येकी 2 तास ( एकूण – 4 तास प्रति आठवडा ) |         |         |     |
| विषय                                                           | मार्क्स | क्रेडिट | तास |
| थेअरी                                                          | 100     | 04      | 60  |
| प्रॅक्टीकल                                                     | 200     | 08      | 120 |
| एकूण                                                           | 300     | 12      | 180 |

|    |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |    |
|----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
|    | थिअरी व प्रात्यक्षिक – पार्ट –1                                                                                                                                                                                                                                                                                                | 30 |
| 1. | शिवण मशिन – रचना, भाग, कार्य , देखभाल, काळजी व किरकोळ दुरुस्ती.<br>शिवण कामासाठी वापरात येणा-या साधनांची माहिती व उपयोग – कात्री, पट्टी, टेलर्स , चॉक, फ्रेंच कव्ह, टेप, काटकोन, टेसिंग व्हील, अंगुस्तान, दो-यांचे व सुयांचे प्रकार व कार्बन पेपर इ.                                                                           |    |
| 2. | विविध वयोगटांच्या स्त्री व पुरुषांच्या निरनिराळ्या तयार कपड्यासाठी लागणा-या कापडाची निवड, रंग व पोत प्रकार व कापडाचा पन्हा, रंगसंगती                                                                                                                                                                                           |    |
| 3. | विविध वयोगटातील स्त्री, पुरुषांच्या व लहान मुलांच्या शरीराची प्रमाणित आकृत्या (लहान , साधारण व मोठे चार्टस् तयार करणे)                                                                                                                                                                                                         |    |
| 4. | विविध वयोगटातील स्त्री, पुरुषांच्या व लहान मुलांच्या शरीराची प्रमाणित मापे (लहान , साधारण व मोठे चार्टस् तयार करणे)                                                                                                                                                                                                            |    |
| 5. | सर्व प्रकारचे कपडे शिवण्यासाठी पध्दती – (Steps)<br>1. मापे घेणे – गळाघेर, खांदा, मुंडा, छाती घेर, उंची, बाही लांबी व रुंदी इ.<br>तयार कपड्यावरून मापे घेणे.<br>2. Pattern Drafting<br>3. Cutting<br>4. Stitching (शिवण)<br>5. Fitting शिवलेल्या कपड्याचे मापाप्रमाणे फिटिंग करणे<br>(गळाघेर, खांदा, छाती घेर, कंबर घेर व उंची) |    |
| 6. | तयार कपड्याचा दर काढणे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |    |
|    | तयार कपड्याचे लेबलींग व पॅकिंग करणे.                                                                                                                                                                                                                                                                                           |    |
|    | चालू फॅशन्स व डिझाईन्सची समग्र माहिती                                                                                                                                                                                                                                                                                          |    |
|    | संवाद कौशल्ये व बुटीक व टेलरिंग शॉप काढण्याची माहिती                                                                                                                                                                                                                                                                           |    |
|    | बाजारपेठ कर्जयोजनांची माहिती व तयार कपड्यांच्या निर्यातीचे स्टॅन्डर्डस्                                                                                                                                                                                                                                                        |    |

|    |                                                                               |    |
|----|-------------------------------------------------------------------------------|----|
|    | थिअरी व प्रात्यक्षिक – पार्ट –2                                               | 30 |
| 1. | कपडे दुरुस्ती— रफु, ठिगळ, पॅचवर्क व भरतकाम                                    |    |
| 2. | शिवणकामामध्ये इस्त्रीचा उपयोग, कपड्यांना भट्टी, इस्त्री व ड्रायक्लिनिंग करणे. |    |
| 3. | निरनिराळ्या प्रकारची कापड धुलाई व डाग काढणे                                   |    |

|     |                                                                                                                                                              |    |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
|     | प्रात्यक्षिके                                                                                                                                                | 60 |
|     | खालील पैकी प्रत्येक पॅटर्नचे सॅम्पल करून फाईल तयार करावी                                                                                                     |    |
|     | पार्ट –1 बेसिक शिवण                                                                                                                                          |    |
| 1.  | शिवण मशिन दुरुस्ती व देखभाल                                                                                                                                  |    |
| 2.  | विविध शिवणीचे प्रकार – साधी, चोर गुप्त, सपाटी, शिवण, नागमोडी ओव्हरकॉस्टिंग, मुरडीची पट्टी, गाद्या, रजया व अभ्याची शिवण, घेराची शिवण काठ दुमडलेली शिवण व हेम. |    |
| 3.  | डार्टचे प्रकार – साईड, बेसिक, सेंटर , फंट, नेकलाईन, आर्म होल, ब्लाउज डार्ट                                                                                   |    |
| 4   | प्लेटस्चे प्रकार – साईड, बॉक्स प्लेट, इन्व्हर्टेड बॉक्स प्लेट, नाईफ प्लेट                                                                                    |    |
| 5.  | टक्स व त्याचे उपयोग – पीन , कॉस , शाल्डर, कॉर्डेड                                                                                                            |    |
| 6.  | खिशांचे प्रकारः पॅच, फ्लॅप, लाईनिंग, बाजूचे खिसे, ब्लेझर, खिसा, जाकीट खिसा, चोर खिसा                                                                         |    |
| 7.  | बटण पट्टया : २ पट्टयांचा वापर, सलग, फेस्ड प्लेन                                                                                                              |    |
| 8.  | ओपनिंगचे प्रकार : चेन, झिप लावणे, वेल क्रो, बटण, काजे हूक्स व आईज लावणे, प्रेस बटण व डेकोरेटिव्ह बटण लावणे .                                                 |    |
| 9.  | बाह्यांचे प्रकारः चोळी कट, फुग्याची, कफसह पूर्ण लांबीची बाही, मेगा बाही, अम्ब्रेला, बेल, ट्यूलीप, लेग ओ मटन, बलून, एलिझाबेथ व लेयर                           |    |
| 10. | कॉलरचे प्रकार :फ्लॅट, पीटर पॅन, चायनीज, टेनिस कॉलर, शर्ट, रेझड , पीटर पॅन व स्टॅंड कॉलर                                                                      |    |
| 11. | कफसचे प्रकारः स्ट्रेट, फ्रेंच, लॅपेड , केसिंग व शर्ट कफ                                                                                                      |    |
| 12. | गळयांचे प्रकारः गोल, व्ही, पंचकोनी, चौकोनी, व गळयाला गोठ, झालर व लेस लावणे                                                                                   |    |
| 13  | योक्चे प्रकारः गोल, व्ही, पंचकोनी, चौकोनी, असमान किंवा चुण्यांनी बनविलेले योक्                                                                               |    |
| 14  | झालरीचे प्रकारः किमान ५                                                                                                                                      |    |
| 15  | स्कर्टस्चे प्रकारः चुणीदार, प्लेटस्चा, पूर्ण अम्ब्रेला, लेयर्ड स्कर्ट, डिव्हायडर, रॅप अ राऊंड स्कर्ट                                                         |    |
| 16  | फॉल व विडींग                                                                                                                                                 |    |
| 17  | कुशन कव्हर बेड कव्हर व लोड कव्हर्स – प्रत्येकी 2 प्रकार                                                                                                      |    |

|   |                                                                                                                                                                                                                |    |
|---|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
|   | पार्ट – 2                                                                                                                                                                                                      | 30 |
| 1 | भरतकाम— साखळी , उलटी टीप, हेरिंग बोन, बटन होल, फ्रेंच नॉट, बुलीअन, पॅचवर्क, कच्छी, कर्नाटकी कशिदा, चिकनकरी, पंजाबी फुलकारी, कटवर्क, पॅचवर्क व जर्दोसी                                                          |    |
| 2 | बांधणी कोणतेही 2 प्रकार                                                                                                                                                                                        |    |
| 3 | कोशाकाम— लेसेस तयार करणे                                                                                                                                                                                       |    |
| 4 | मशिन एम्ब्रॉयडरी— बेसिक टाक्यांचे प्रकार – कोणतेही 5                                                                                                                                                           |    |
| 5 | क्लॉथ पेंटिंग – कोणतेही 3 प्रकार                                                                                                                                                                               |    |
| 6 | डेसेस तयार करण्यासाठी व डिझाईनिंगसाठी कॉम्प्युटरचा उपयोग. पेज मेकर फोटो शॉप व कोरल ड्रॉ ही पॅकेजसची माहिती व ऑपरेटिंग.                                                                                         |    |
|   | पार्ट – 3 – निरनिराळ्या वयोगटातील स्त्रियांचे व पुरुषांचे कपडे                                                                                                                                                 | 30 |
|   | खालील कपडे शिवताना पार्ट—1 व 2 मधिल कौशल्याचा उपयोग करावा.                                                                                                                                                     |    |
| 1 | लहान बाळांचे कपडे – अ.झबली, टोपडी, दुपटी, लंगोटी, कुंची , लाळेरे<br>व नाईट सूट— प्रत्येकी 3 प्रकार<br>ब. बाळाची बॅग, पॅडल पुशर, ऑफ शोल्डर फ्रॉक, नाड्यांचे व स्लिक्डलेस फ्रॉक                                  |    |
| 2 | लहान मुलींचे कपडे— साधे, योकचे व पीटर पॅन कॉलरचे फ्रॉक, वनपीस, परकर ब्लाउज, लाच्छा व नाईट सूट                                                                                                                  |    |
| 3 | लहान मुलांचे कपडे – नाईट सूट, बर्म्युडा, पायजमा व कुर्ता                                                                                                                                                       |    |
| 4 | शाळेत जाणा—या मुलींचे कपडे – स्कर्ट ब्लाउज, पिन्को                                                                                                                                                             |    |
| 5 | शाळेत जाणा—या मुलांचे कपडे— हाफ पॅन्ट, शर्ट व शॉर्टस्                                                                                                                                                          |    |
| 6 | तरुण मुलींचे कपडे— साडी, पेटीकोट व गाउन – प्रत्येकी 2 प्रकार,<br>लॉग स्कर्ट, मिडी, सलवार व कमीजचे – प्रत्येकी 4 प्रकार, पॅरलल व सनकोट                                                                          |    |
| 7 | साडी ब्लाउज— अ. साधे, हाफ, कटोरी व फूल कटोरी , अस्तर लावलेले<br>ब. ब्लाउज फॅशन्स— गळ्यांचे फॅशन्स – प्रत्येकी 4 प्रकार<br>क. बॅक फॅशन्स – स्मॉकिंग— प्रत्येकी 4 प्रकार , मोतीकाम व जरीकाम – प्रत्येकी 4 प्रकार |    |
| 8 | घागरा व चोली – ऐच्छिक                                                                                                                                                                                          |    |
| 9 | पुरुषांसाठी – नेहरू शर्ट, शॉर्ट, पायजामा व अचकन – चुडिदार                                                                                                                                                      |    |

लेखी व प्रात्यक्षिक व अंतर्गत मूल्यमापन स्वरूप

**A) लेखी मूल्यमापन – 100 Marks (Objective)**

**B) प्रात्यक्षिक मूल्यमापन-100 Marks**

| प्रश्न क्र. | प्रात्यक्षिक परिक्षेचे स्वरूप                     | गुण |
|-------------|---------------------------------------------------|-----|
| प्र. 1      | Identification                                    | 20  |
| प्र. 2 ते 4 | अभ्यासात नमूद केल्यापैकी कोणतीही तीन प्रात्यक्षिक | 60  |
| प्र. 5 अ    | तोंडी परीक्षा                                     | 10  |
|             | एकूण गुण                                          | 100 |

**c) अंतर्गत मूल्यमापन – 100 Marks**

अंतर्गत मूल्यमापनासाठी एकूण 100 गुण निश्चित केलेले आहेत .

आपल्या संस्थेत चालू असलेल्या अभ्यासातील सर्व विद्यार्थ्यांचे अंतर्गत मूल्यमापन खालील पद्धतीने संस्थेमार्फत करण्यात यावे व त्याची नोंद ठेवण्यात यावी .

| हजेरी क्र.क्रं | क्लास वर्क        |         |             |          | प्रकल्प   | एकूण गुण |
|----------------|-------------------|---------|-------------|----------|-----------|----------|
|                | Class performance | Journal | Study tours | एकूण गुण | सर्वेक्षण |          |
| कमालगुण        | 20                | 20      | 10          | 50       | 50        | 100      |

**टीप :** प्रशिक्षण कालावधीत अभ्यास सहली आयोजित केलेल्या नसल्यास क्लास परफॉर्मन्ससाठी एकूण तीसपैकी गुण द्यावेत .

प्रकल्प – खालीलपैकी कोणताही एक प्रकल्प तीन जणांच्या ग्रुपमध्ये करावा.

1. पारंपारिक भरतकामाचे नमुने जमा करून त्यांची नांवे व उपयोग लिहून फाईल तयार करणे
2. लहान मुलांच्या विविध कपड्यांच्या फॅशन्सची माहिती मिळवून त्याप्रमाणे फाईल तयार करणे
3. टेलरिंग अगर बुटीकचा आराखडा व त्यासाठी कर्जप्रस्ताव तयार करणे

( जागा, मांडणी, जाहीरात, शिलाईचे दर, सहाय्यक)

4. ब्लाऊज फॅशन्सच्या कोणत्याही 10 पॅटर्न्सचे सॅम्पल्स तयार करून फाईल तयार करणे .

5. कोणत्याही पाच बुटीक अगर टेलरिंग शॉपचा सर्व्हे करणे.

(निकष—जागा, मांडणी, वापरल्या जाणा—या कापडांचे प्रकार, शिवण्यात येणा—या

कपड्यांचे प्रकार, डिझाईन्स, शिलाईचे दर व जाहीरात )

**क्लास परफॉर्मन्स:** (प्रशिक्षण कालावधीतील विद्यार्थी अहवाल, क्लास वर्क, वही व अन्य बुटीक व टेलरिंग शॉप्सना भेटी यांच्या आधार गुण देण्यात येईल .)

**संदर्भ पुस्तके :**

1. Cutting and Tailoring – Varma, Kapil Dev.
2. शास्त्रोक्त शिवणकला – कृ. हेगडे भाग 1 व 2
3. झारापकर शिवणशास्त्र झारापकर शिक्षण संस्था, भाग 1 व 2
4. Handbook for Home makers – Premalata Mulick, Kalyani Publishers.
5. Press Fitting Natalie Bray Blacken Science Ltd.
6. Pattern drafting for dress making Pamela C. Stinger.
7. The techniques of Indian Embroidery Anne Marreu B. T. Bastfond Ltd., London.
8. Creative Embroidery Design indorsing publication.
9. Needle craft by Reader's Digest.
10. Indian Embroidery its variegated charm Savitri Pandit.
11. भरतकला – प्रभावती पुरम, भरतकला – मिस्त्री
13. ड्रेस डिझाईनिंग – मनमीन मोदिया सूरजित पब्लिकेशन
14. इलेमेन्ट्स ऑफ डिझाईन – 5वी आवृत्ती—